APOGEE 2022
THE ENCRYPTED DIMENSION
7TH - 10TH APRIL

हिन्दी प्रेस क्लब

प्रवाह

हिन्दी प्रेस क्लब

दिवस-2, अंक-1

PEP TALKS के मुख्य अंश

Getting HIGH in FD-2

लेंड यौर वोईस

चौपाल

नए दौर की साँप- सीढ़ी

संपादकीय

DIGITIZED RENAISSANCE से ENCRYPTED DIMENSION तक का सफ़र बहुत ही निराला रहा है। किसी भी फ़ेस्ट का आयोजन अपने आप में ही बहुत कठिन कार्य है। अपोजी २०२२ का आयोजन कठिन कई वजह से रहा। सबसे पहले, क्यूंकि अपोजी 2022 ऑनलाईन माध्यम से कराया गया था और अब अपोजी 2022 ऑफ़लाइन माध्यम से आयोजित किया गया है। दूसरा, तीनों ही बैच (2019,2020, और 2021) के पास ऑफ़लाइन अपोजी का अनुभव नहीं है। वही दूसरी ओर इसे आयोजित करने का संपूर्ण भार इन तीनो बैच के कंधो पर ही है । तीसरी और सबसे खतरनाक बाधा- कोरोना का संकट। इन कठिनाइयों से झूझना और इनका समाधान निकाल कर आगे बढ़ना ही इस अपोजी कि सबसी बड़ी सीख है हम सभी के लिए।

ऐसा कदापि नहीं हो सकता कि अपोजी के बारे में चर्चा हो और उस चर्चा का भाग CoStAA न हो। कोस्टा से याद आता है उद्घाटन समारोह जिसमें कोस्टा के सभी सदस्यों का स्वागत बड़े अतरंगी तरीके से हुआ। चाहे कैसे भी गिरते, फिसलते, ठोकर खाते, कोस्टा के साथ सभी क्लब्स तथा डिपार्टमेंट ने अपोजी में जान लगा दी इस अपोजी को सफल बनाने में। चाहे कोई भी काम हो, कैम्पस को सजाना, इवेंट बनाना, बहार से लोगों को बलाना, चीएफ़ गेस्ट का ख़याल रखना, हर बिट्सियन के जज्बे कि दात देनी पड़ेगी।

हर क्लब तथा डिपार्टमेंट व्यस्त है अपोजी की तैयारियों में अपने तन, मन,धन से लगा हुआ है। रात के २ बज रहे हों या सुबह के ६, क्लब रूम में आपको कर्मठ क्लब मेम्बर अपना काम करते हुए मिलेंगे। नींद, खाना, पढ़ाई सब LITE। सबसे महत्त्वपूर्ण अभी (हमारे लिए) है कि सभी आर्टिकल लिख दिए गए है, एडिटिंग चल रही है और यह काम समाप्त हो, फिर आगे बढ़े। हर बिट्सियन की नींद फ़ेस्ट के समय मानो कहीं गायब सी हो जाती है। फ़ेस्ट के शुरू होते ही माहौल एकदम बदल सा जाता है।

मैं सभी से यही कहना चाहूँगी कि पता नहीं कब कौनसा मौका मिले या न मिले, इस अपोजी आप जितने इवेंट में जा पाएं, जितने मज़ा उठा पाएं उठाईये। २ वर्ष के लंबे अरसे के बाद अपोजी २०२२ हम सभी के लिए एक आशा की किरण बनकर आया है और मेरा सभी से यह निवेदन है कि इस अपोजी को सफल बनाने में अपना पूरा योगदान दें और इस फ़ेस्ट का खूब आनंद उठाएं।

चौपाल

POETRY CLUB ने एक शायरी व नज़मों से भरी एक रंगारंग श्याम का आयोजन किया , जो की रेख़ता के सहयोग में आयोजित की गयी। रेख़ता एक सुप्रसिद्ध संस्था है जो कि विश्वभर में उर्दू भाषा को बढ़ावा देने का काम करती है। इस कार्यक्रम का नाम 'चौपाल' था इस कार्यक्रम में 'तरकश प्रदीप' और 'नईम सरमद' ने अपनी शायरी, नज़मों और गजलों से लोगों का मन लुभाया। उन्होंने अपने इस मुकाम तक पहुँचने की दास्तान सुनाई- कैसे उन्होंने लिखना प्रारंभ किया और कहाँ से उन्हें प्रेरणा मिली । कई प्रसिद्ध महाकवियों की नज्में और शायरियाँ भी सुनाई गयी। इसके अतिरिक्त उर्दू भाषा के विषय में भी चर्चा हुई की आज की पीढ़ी उर्दू को किस नज़रिये से देखती है और पुरानी शायरियों के अब कितने मायने बदल गए है। साथ ही उर्दू शायरी के भविष्य पे भी चर्चा हुई। जैसे-जैसे मनुष्य के अनुभव बढ़ते जाते है वैसे-वैसे उसके लिखने के तरीके और शायरी को समझने के मायने मे काफ़ी बदलाव आ जाता है, ऐसा कवियों ने समझाया। इस रंगारंग महफ़िल में कई लोगों ने हिस्सा लिया और अपने शायरी की तरफ़ प्रियता दिखाई।

साँप-सीढ़ी का खेल

स्नेक एंड लैडर कार्यक्रम ने अपोजी 2022 की धमाकेदार शाम को और रोमांचक बना दिया। केमिकल असोसिएशन ने इस अद्भुत खेल का आयोजन FD 2 में करवाया था। खेल की थीम मशहूर फिल्म हैरी पॉटर के विज़र्ड चेस से प्रेरित थी। खेल में अंको के बदले पिर्योडिक टेबल के एलेमेंट्स को बढ़ते हुए क्रम में सजाया गया था। स्नेक एंड लैडर के जैसे प्रतिभागियों को डाइस का प्रयोग कर आगे बढ़ना था। खेल में सीढ़ी और साँप भी थे। टीम के एक सदस्य को बोर्ड गेम पर रहना था और बाकी सदस्यों को डाइस थ्रो कर सवालों के जबाब देने थे। डाइस के 6 साइड 6 श्रेणियों को दिखाते थे। श्रेणियों में मनोरंजन, खेल-कूद, सामन्य ज्ञान, भौगोलिक ज्ञान, मेंटल अबिलिटी और विज्ञान संबंधित सवाल थे। सही उत्तर देने पर टीम डाइस पर आए अंक के अनुसार आगे बढ़ती थी। गलत उत्तर देने पर टीम को पूर्व स्थान पर ही रुकना होता था। खेल को खत्म करने के लिए सिर्फ आधे घंटे का वक्त दिया गया था। इवेंट में कई लोगों ने दिलचस्पी दिखाई और आखिर में यह सभी प्रतिभागियों के लिए एक मज़ेदार अनुभव रहा।

PEP TALK के मुख्य अंश

बिट्स के पेपर एवालुएशन एंड प्रेसेंटेशन डिपार्टमेंट यानी PEP ने हर वर्ष की तरह अपोजी में थिंक अगेन नामक कार्यक्रम का आयोजन करा। इस कार्यक्रम में उन्होंने कई नामचीन हस्तियों को आमंत्रित किया जिन्होंने अपने वक्तव्य से लोगों को संबोधित करा। इन प्रमुख लोगों में विश्व प्रसिद्ध लेखक एवं UK संसद के भूतपूर्व सदस्य जेफ़री आर्चर तथा पहली प्लूटो मिशन टीम, न्यू होरईज़न्स के सदस्य डॉ हेनरी थ्रूप शामिल थे। इन विश्व प्रसिद्ध हस्तियों ने 8 अप्रैल को ऑनलाइन माध्यम द्वारा NAB AUDITORIUM में लोगों को संबोधित करा, जिसकी लाइव स्क्रीनिंग यू-ट्यूब पर कराई गयी थी।

हेनरी थ्रूप ने बताया कि वे किस तरह के संघर्षों के पश्चात एक खगोल शास्त्री बने। कई दिमागी घोड़े दौड़ाने वाले प्रश्न जैसे कि क्या एलिएंस का अस्तित्व है? क्या हमें उनके होने के चिन्ह प्राप्त हुए हैं? क्या हमारे अतिरिक्त भी किसी अन्य ग्रह पर जीवन संभव है? इन सभी सवालों के जवाब देते हुए उन्होंने अंतरिक्ष के कई रहस्यों से पर्दा हटाया।

अंत में उन्होंने हमारे सौर्य मंडल का विवरण तथा NASA के भावी शोधों के सन्दर्भ में व्याख्यान करते हुए अपना वक्तव्य समाप्त किया।

विश्व प्रसिद्ध लेखक जेफ़री आर्चर ने बताया कि कैसे उनके बालपन के किसी कार्य का दृढ़तापूर्वक सामना करना उनके जीवन को दिशा देने में सहायक रहा। उन्होंने आधुनिक लेखन जो कि अधिकतर इलेक्ट्रोनिक माध्यम से हो रहा है इस पर अपने विचार साझा किये। अंततः अपने आलोचकों का सम्मान करते हुए उन्होंने विदा ली।

इस कार्यक्रम का आयोजन लोगों को इन महान हस्तियों के अनुभवों से सीखने के लिए किया गया था। आयोजक दर्शकों को फ़ोटो खिंचवाने के लिए बुला रहे थे किन्तु ऐसा प्रतीत हो रहा था कि शायद दर्शकों को फ़ोटो का शौक नहीं था। इस प्रकार पेप टॉक का प्रथम दिवस अपने अंजाम तक पहुँच ही गया।

लेंड यौर वोईस

जिस तरह सूरज की केवल एक किरण इस जगत को प्रज्वलित करने की शक्ति रखती है उसी तरह हमारी वाणी की धारा उन दिव्यांग बच्चों के मन, मस्तिष्क और भविष्य को रोशन कर सकती है। वह बच्चे जिनके लिए यह बाहरी दुनिया धुंधली है उनके लिए यह एक दूरबीन का काम कर सकती है। इसी सोच का बीज जनता के दिलों – दिमाग में बोने हेतु एन.एस.एस बिट्स पिलानी इस वर्ष के APOGEE में प्रस्तुत कर रहें हैं "लेंड यौर वोइस"। "लेंड यौर वोइस" एक ऐसी सोच है जो लोगों से अनुयोध करती है कि वे अपनी आवाज़ में बच्चों की पुस्तकों को पढ़ें जिसे एक कंप्यूटर और माइक के माध्यम से रिकॉर्ड किया जाता है। इन रेकॉर्डिंग्स को भविष्य में दिव्यांग बच्चों को सुनाने एवं पढ़ाने हेतु प्रयोग किया जायेगा। इस सामाजिक सेवा परियोजना का आरम्भ स्वयं महाविद्यालय के निर्देशक और मुख्य अतिथि ज़ैनब नागिन कॉक्स ने रिब्बन काट कर किया। मुख्य अतिथि ने अपनी आवाज़ देकर इस परियोजना का श्रीगणेश किया। प्रथम योगदान देकर मुख्य अतिथि ने जनता को प्रेरित करते हुए एक मिसाल पेश की। इनके अलावा बिट्स पिलानी के कई प्रोफेसर्स भी इस नेक कार्य में प्रस्तुत थे। यह परियोजना APOGEE के तीनों दिन दोपहर साढ़े बारह बजे से रात के साढ़े आठ बजे तक एन.एस.एस के स्टाल पर आयोजित की जा रही है। इस परियोजना की खास बात यह है कि यह सेवा केवल 5-10 मिनट में ही पूर्ण की जा सकती है। कितनी कमाल की बात है कि इतना छोटा सा योगदान भविष्य में एक ऐसे व्यक्ति की जिंदगी बदल सकता है जिनसे शायद ही आप कभी रूबरू हों सकेंगे। तो क्या आप भी बनना चाहेंगे एक ऐसी आवाज़ जो बदल दे किसी की ज़िंदगी? तोह आइए और इस नेक कार्य में अपना योगदान दीजिए।

Getting *HIGH* in FD-2

अपोजी के पहले दिन FD 2 की QT में कैरीओके क्लब और केमिस्ट्री एसोसीएशन ने 'हाई ऑन हीलीयम' नामक एक अति मनोरंजक इवेंट का आयोजन किया। इसमें प्रतियोगियों को हीलियम की सांस लेने के बाद टंग ट्विसटर, मिमिक्री, कैरीओके या ओपन माइक प्रस्तुत करना था। सभी बिट्सियन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए इस मौके का पूर्ण इस्तेमाल कीया। किसी ने बॉलीवुड के मशहूर डाईलौग सुनाये तो किसी ने बच्चों के कार्टून के गाने गाए। इसके साथ ही साथ, कैरीओके क्लब के सदस्यों ने माहोल बरकरार रखने के लिए कई मधुर गीत गाए, जिनसे सबके चेहरों पर मुस्कराहट छा उठी। 'हाई ऑन हीलीयम' इवेंट का आनंद न केवल प्रतियोगियों ने, बल्कि वहाँ मौजूद दर्शकों ने भी उठाया। पुराने बॉलीवुड गानों ने हर बार की तरह सबका दिल जीत लिया और दर्शक स्वयं भी गायकों के साथ गुनगुनाने लगे। गिटार बजाने वाले कलाकारों को दर्शकों से तालियों और हूटिंग के रूप में बहुत प्रोत्साहन और प्रेम मिला। कुल मिलाकर शाम आनंद से भरपूर थी और आयोजक समिति इस इवेंट को यादगार बनाने के अपने कार्य में सफल रही।

एक अनोखा मेहमान

बिट्स पिलानी में मेरा एक और दिन यही सोचने में व्यतीत हो गया कि आज मुझे क्या-क्या करना है। रात का भोजन करने के बाद अपने कमरे में दिनभर मेरे कार्यों का ब्यौरा लिखने के लिए अभी कुर्सी पर बैठा ही था कि मुझे कुछ आवाज़ आयी। जैसे कोई हवाई जहाज खिड़की के बहार से उड़ के गया हो। मुझे लगा कि शायद इधर-उधर के किसी कमरे में कोई ऊँची आवाज़ में कोई फिल्म देख रहा होगा। इसलिए मैंने ज़्यादा ध्यान ना देते हुए अपना कार्य जारी रखा।

किन्तु कुछ देर पश्चात फ़िर से किसी के चलने आवाज़ आयी। अपनी कुर्सी से उठकर मैंने कक्ष के बाहर वाले गलियारे में देखा तो वाहन कोई नहीं था। फ़िर जब मैंने खिडकी से बहार झाँका तो मेरी आँखों ने जो दृश्य देखा उसकी कल्पना तो शायद ही किसी ने करी होगी। एक पल के लिए तो मैं स्तब्ध ही रह गया था।

मेरे कक्ष के जो खुली जगह है वाहन पर एक विशालकाय उड़नतश्तरी कड़ी थी। तथा उसमे से कुछ अलग एवं विचित्र से दिखने वाले लोग निकले। शायद पांच लोग रहे होंगे। मैंने फटाफट से अपनी कमरे की बत्ती बुझा दी। मैं भयभीत होगया कि कहीं वे मुझे देख ना लें। मैंने ध्यान से सुना तो उनकी बोली कुछ-कुछ हिंदी जैसी थी तो मैंने उनकी बातें समझ पा रहा था। बताता हूँ की वो क्या बात कर रहे थे।

उनमें से एक जो शायद उनका सरदार था कह रहा था कि अच्छा तो यह है बिट्स पिलानी जहाँ के टेकफेस्ट अपोजी की प्रशंसा हमारे ग्रह के अंतरिक्ष यात्री करते नहीं थकते हैं। तभी दूसरा कहने लगा, “हाँ वे तो ये भी कहते हैं की अपोजी जैसा धूम-धाम और मस्ती से भरा फेस्ट तो हमारे ग्रह पर भी नहीं होता है।” फ़िर किसी ने कहा कि यहाँ के बच्चे भी कितने बुद्धिजीवी हैं पता नहीं कहाँ-कहाँ से इतने मज़ेदार थीम सोचते हैं। कभी THE CYBERNETIC VISION तो कभी THE REALITY ROULETTE और इस वर्ष का थीम तो और भी अनोखा है THE ENCRYPTED DIMENSION ।

तभी सरदार बोलता है कि अपोजी तरह-तरह के इवेंट्स होते हैं उसका तो कोई सानी ही नहीं। इस टेकफेस्ट के ज़रिये लोगों का टेक्नोलोजी की ओर रुझान बढ़ता है। तुम सबको तो पता होगा दो वर्ष पूर्व धरती पर कोरोना नामक एक बीमारी ने अपना तांडव दिखाया था। उस समय भी इन बच्चों ने ऑनलाइन माध्यम से इस कार्यक्रम को आगाज़ से लेकर अंजाम तक सम्पूर्ण उत्साह और उमंग से आयोजित करा था। तो अब तो ये ऑफलाइन हो गया है सोचो कितना आनंद से ओतप्रोत होगा। तभी एक दूसरा बंद कहने लगा कि अब मुझसे रहा नहीं जा रहा है मैंने तो सोच लिया कि जैसे अन्य कॉलेजों के बच्चे यहाँ आते हैं हम भी आएंगे और अपोजी का मज़ा लेंगे।

व्हेन चाय मेट टोस्ट

अपोजी 2022 के पहले प्रोफ शो (प्रोफेशनल शो) की घोषणा जब हुई तब सब इसमें जाने के लिए काफ़ी उत्सुक थे| इस बैंड के गाने इंडी पॉप श्रेणी के है| बहुत समय से कोविड के कहर का सामना करने के कारण सबने इस प्रोफ शो में भाग लेने का निश्चय लिया| मेस साइनिंग में काफी भीड़ देखने को मिली थी| कैम्पस में बहुत उत्सुकता दिख रही थी इस कॉन्सर्ट को ले कर|

अपोजी के पहले दिन का अंत व्हेन चाय मेट टोस्ट के कॉन्सर्ट से होने वाला था| कॉन्सर्ट का समय रात के 9:30 बजे का थी, परंतु B.S.T. लगे बिना कोई कार्यक्रम पूर्ण हों तो वो बिट्स कहाँ? 9:30 बजे शुरू होने वाला कार्यक्रम 10:30 तक शुरू होने की राह देख रहा था| दोनों प्रवेश द्वार पे काफी भीड़ इक्कट्ठा हों गयी थी परंतु क्यू.आर कोड ढंग से न हों पाने के कारण विलंभ हुए जा रहा था| जैसे तैसे हम सब अंदर पहुँचे तब तक कॉन्सर्ट प्रारंभ हों चुकता था| व्हेन चाय मेट टोस्ट ने एक के बाद एक अंग्रेजी गाने गा रहे थे जैसे joy of little things, firefly, run closer , beautiful world, आदि| इसके बीच एक हिंदी गाना भी गया था- कहानी| इन गानों से काफी आनंदमयी और तनाव रहित माहोल बन गया था| सभी छात्र गानों में मदहोश थे| जितना हम छात्र उनके आभारी थे उतना ही उन्होंने ने भी बिट्स का आभार प्रकट कीया| व्हेन चाय मेट टोस्ट के गायक के अनुसार 4 वर्ष पूर्व उनका एक कॉलेज शो बिट्स में हुआ था और उसके उपरांत उन्हें काफी प्रसिद्धि मिली| इस कारण वश उन्होंने बिट्स का आभार प्रकट किया| उन्होंने अपने पूरे कार्यक्रम में छात्रों को शो में शामिल किया| हमसे गानों के कुछ पन्तिया गवाएं |

इस प्रकार B.S.T. लगने के बावजूद सही ढंग से कार्यक्रम संपूर्ण हुआ और सबी काफ़ी आनंदित हुए|

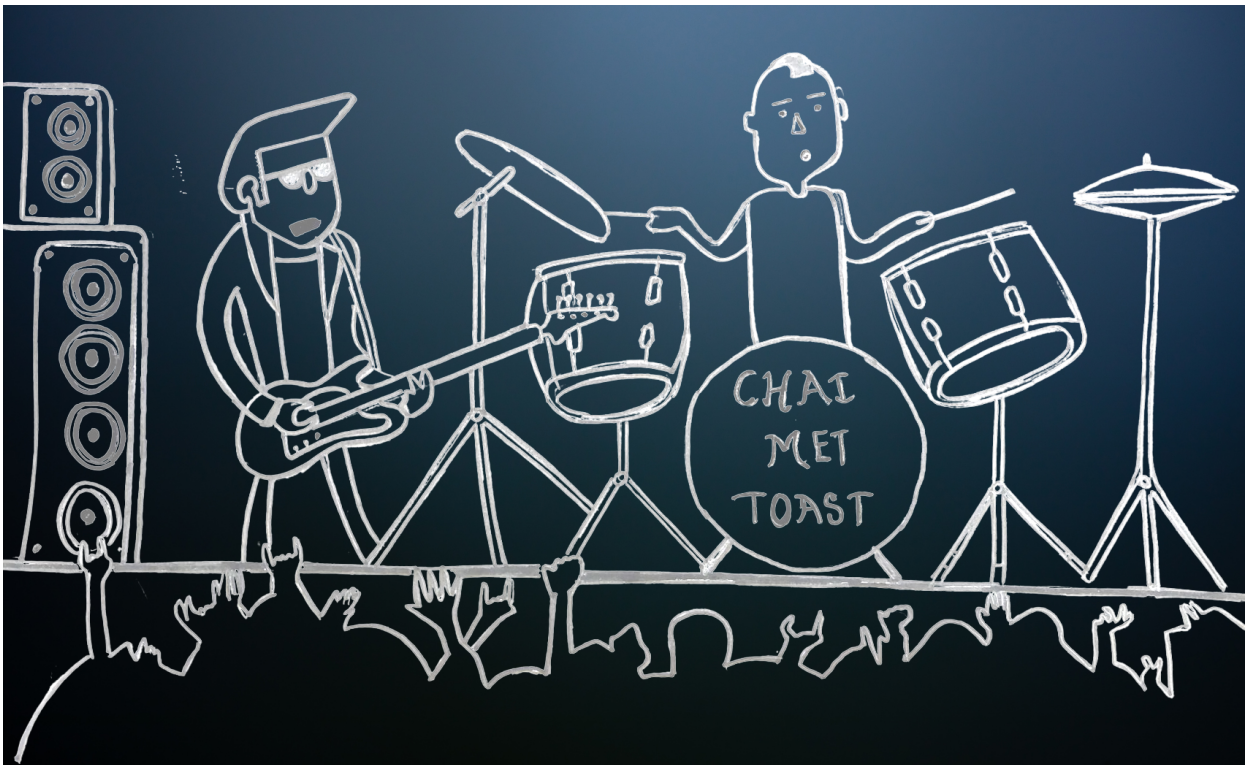

अपोजी हिन्दी प्रेस

नितिन, क्रति
माणिक्य, वत्सल, प्रत्युष, मनाल, मोहनीश, मानस, आकाश, आदित्य, अनुज

परीश्री, हेमांग, आर्यन, अदिति, भूषण, हार्दिक, संस्कार, लाम्बा, हर्ष, वासु, रेहान, शाल्मली

आर्ची, जैनम, देव, ऋत्विक, आकाश, सर्वेश, आरुषी, आर्यमन, सूरज, निशिका, भव्य, हिमांशी, आदित्य

मौलि, अमृत, मल्लिका, वैभव, सर्वाक्ष, वैष्णवी, वैभवराज, चेतन